India UN Women HeForShe

Created by UN Women, the United Nations entity for gender equality and the empowerment of women, the HeForShe solidarity movement for gender equality provides a systematic approach and targeted platform on which men and boys can engage and become change agents towards the achievement of gender equality. Achieving gender equality in our lifetimes requires an innovative, inclusive approach that both recognizes men and boys as partners for women's rights, and acknowledges the ways in which they also benefit from this equality. HeForShe invites men and boys to build on the work of the women's movement as equal partners, crafting and implementing a shared vision of gender equality that will benefit all of humanity.

Since its launch on 20th September, 2014, at the United Nations by UN Secretary-General Ban Ki-moon and UN Women Global Goodwill Ambassador, Emma Watson, hundreds of thousands of men from around the world including Heads of State and global luminaries, from all walks of life have committed to gender equality.HeForShe has been the subject of more than 2 billion conversations on social media, with off-line activities reaching every corner of the globe.

The ambitious aim of this movement is to mobilize 1 billion men to accelerate the achievement of gender equality. HeForShe uses innovative online, offline, and mobile phone technology to identify and activate men in every city, community, and village around the world. The HeForShe journey begins online with a simple affirmation that gender equality is not only a women's issue, but a human rights issue that requires the participation and commitment of men. HeForShe then moves beyond awareness to action, asking men to define what matters to them, and what they will do to make a difference.

Men play a critical role in supporting and enabling women's economic empowerment. HeForShe engages male CEOs and other leaders as champions for gender equality within their own organizations, encouraging them to question the status quo and commit to concrete action. On an individual level, HeForShe engages men to examine how their own personal and professional lives can better recognize, reduce, and redistribute care and responsibilities between the market and the state, between the household and the workplace, and between women and men.

The international community has recognized that women's participation is vital to achieving and sustaining peace. Women are proven agents of change and should be able to do even more. HeForShe provides an opportunity to rebalance the representation of men and women in the peace process by engaging both sides of the table; empowering female leaders and working with men as advocates for change.

Where men have prioritized gender equality, great results have followed. HeForShe engages male political leaders as catalysts for change across both public and private spheres, and provides targeted support to male leaders eager to engage in this work.

Ending gender-based violence requires a comprehensive approach that engages every segment of society. HeForShe provides a platform through which, first and foremost, men and boys can prevent violence by observing and evolving their own attitudes, values and behaviours towards women and girls, ensuring that they do not personally engage in discrimination or violence. In cases where violence has already been perpetrated, men can, through HeForShe, seek support to change their behaviours, breaking the cycle of violence. We can all inspire broader change by proactively intervening where we witness discrimination or violence.

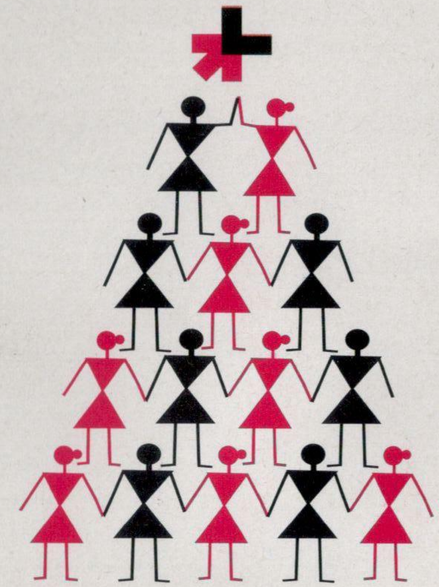
The Department of Posts and United Nations Postal Administration on the occasion of International Women's Day on 8th March, 2016 are pleased to release a set of two stamps and a miniature sheet on India-UN Women HeForShe. The stamps have been designed by Mirkolllic and the images on the stamps make the point that girls and women are half of humanity and are exactly equal to the other half. Together, they make a whole world.

Credits:-

Text	:	Based on the material received from proponent
Stamp	:	Shri Mirkolllic and Smt. Nenu Gupta
Miniature Sheet/FDC/ Cancellation Cachet	:	Smt. Nenu Gupta

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA

इंडिया-यू एन वुमॅन हीफॉरशी
INDIA-UN Women HeForShe



He For She

विवरणिका BROCHURE

'ही-फॉर-शी' आंदोलन के लिए भारत-संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन का सहयोग

महिलाओं को बराबरी का अधिकार दिलाने के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया 'ही-फॉर-शी' एकजुटता आंदोलन, संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन अर्थात् यूएन वुमेन द्वारा शुरू किया गया है। महिलाओं को समानता और सभी प्रकार के अधिकार दिलाने के सरोकार के प्रति समर्पित संयुक्त राष्ट्र के इस विशेष संगठन के इस आंदोलन के अंतर्गत सुनियोजित दृष्टिकोण अपनाते हुए पुरुष वर्ग और किशोरों को ऐसा मंच प्रदान किया गया है, ताकि वे महिलाओं को बराबरी दिलाने के उद्देश्य को हासिल करने की दिशा में परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकें। अपने जीवनकाल में महिलाओं की बराबरी का उद्देश्य हासिल करने के लिए ऐसा सर्वसमावेशी दृष्टिकोण अपनाए जाने की जरूरत है, जिसके अंतर्गत पुरुषों और किशोरों को, महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने के प्रयास में सहभागी माना जाए और साथ ही इस तथ्य को रेखांकित किया जाए कि ऐसी समानता से किस प्रकार पुरुष और किशोर वर्ग स्वयं भी लाभान्वित होगा। 'ही-फॉर-शी'आंदोलन के अंतर्गत पुरुष और किशोरों को इस मिशन में बराबर के सहयोगियों के रूप में आमंत्रित किया गया है ताकि वे संपूर्ण मानवता के हित में महिलाओं की बराबरी के लिए दूरदर्शी योजना बनाएं और उसे मूर्त रूप दें।

'ही-फॉर-शी' आंदोलन की शुरुआत २० सितंबर, २०१४ को संयुक्त राष्ट्र के महासचिव बान की-मून और यूएन वुमेन की ग्लोबल गुडविल एंबेसेडर, एम्मा वाटसन द्वारा की गई। इस आंदोलन से प्रभावित होकर विश्वभर के हजारों पुरुषों, जिनमें राष्ट्रीय अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रख्यात व्यक्ति भी शामिल हैं, ने महिलाओं की बराबरी के इस उद्देश्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई है। 'ही-फॉर-शी' आंदोलन के विषय में सोशल मीडिया पर लगभग २ बिलियन वार्तालाप दर्ज हुए हैं और इस दिशा में ऑफलाइन कार्यकलाप विश्व के हर कोने में आयोजित किए गए हैं।

इस आंदोलन का महत्वाकांक्षी उद्देश्य महिला समानता के उद्देश्य की प्राप्ति की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए एक बिलियन पुरुषों को इस दिशा में एकजुट करना है। 'ही-फॉर-शी'के अंतर्गत ऑनलाइन, ऑफलाइन और मोबाइल फोन प्रौद्योगिकी का इस प्रकार नवीनतापूर्ण इस्तेमाल किया जाता है ताकि विश्व के हर शहर, समुदाय और गांव में पुरुष वर्ग के सदस्यों की पहचान कर उन्हें महिलाओं को बराबरी दिलाने की इस राह पर अग्रसर किया जाए। 'ही-फॉर-शी' का यह सफर ऑनलाइन शुरू होता है। प्रारंभ में हर सदस्य से इस तथ्य की सहमति मांगी जाती है कि समानता का मुद्दा सिर्फ महिलाओं से जुड़ा हुआ नहीं है, बल्कि यह मानवाधिकार से संबंधित ऐसा मुद्दा है जिसके लिए पुरुष वर्ग की प्रतिभागिता और प्रतिबद्धता आवश्यक है। यह सहमति प्राप्त करने के बाद 'ही-फॉर-शी'आंदोलन जागरुकता से आगे कार्रवाई के क्षेत्र में दाखिल होता है और पुरुषों को यह बताने के लिए कहा जाता है कि इस दिशा में उनके लिए कौन सी बातें अहम हैं और इस सरोकार के प्रति परिवर्तन लाने के लिए वे क्या कर सकते हैं।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को संभव बनाने में पुरुष वर्ग की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। 'ही-फॉर-शी' के अंतर्गत पुरुष सीईओ तथा अन्य संगठन प्रमुखों को अपने-अपने संगठनों व समूहों के अंतर्गत महिला समानता को मूर्त रूप प्रदान करने का उत्तरदायित्व सौंपा जाता है और उन्हें यथास्थिति में परिवर्तन लाकर ठोस कार्रवाई करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस आंदोलन के अंतर्गत व्यक्तिश: स्तर पर पुरुषों को अपने निजी तथा व्यावसायिक जीवन पर इस प्रकार निगाह डालने के लिए प्रेरित किया जाता है ताकि वे स्वयं से यह सवाल कर सकें कि वे बाजार और राज्य, घर और कार्यालय तथा महिलाओं और पुरुषों के बीच देखभाल और उत्तरदायित्व की भावनाओं का किस प्रकार बेहतर विभाजन कर सकते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने इस तथ्य को भली-भांति स्वीकार किया है कि संपूर्ण शांति की स्थिति को प्राप्त करने तथा उसे बनाए रखने में महिलाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाएं कोई भी सकारात्मक परिवर्तन लाने का समय सिद्ध कारक हैं तथा उनमें और भी ऊंची उपलब्धियां हासिल करने की क्षमता है। 'ही-फॉर-शी' के अंतर्गत शांति प्रक्रिया में पुरुषों और महिलाओं के प्रतिनिधित्व का नया संतुलन बनाने का अवसर प्रदान किया जाता है। ऐसा करने के लिए दोनों ही पक्षों को बराबर का महत्व दिया जाता है। जहां एक ओर महिला नेतृत्व को सशक्त बनाया जाता है, वहीं दूसरी ओर पुरुषों को इस परिवर्तन का पक्षधर बनाया जाता है।

जब कभी पुरुष वर्ग ने महिलाओं की समानता के विषय को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है, इसके बेहतरीन नतीजे सामने आए हैं। 'ही-फॉर-शी' के अंतर्गत पुरुष राजनैतिक नेताओं को इस परिप्रेक्ष्य में सार्वजनिक तथा निजी दोनों ही जीवन में, परिवर्तन के कारकों के रूप में शामिल किया जाता है और इसके साथ-साथ इस कार्य से जुड़ने के इच्छुक पुरुष वर्ग के नेतृत्व को विशेष सहयोग भी प्रदान किया जाता है।

महिलाओं के प्रति हिंसा समाप्त करने के लिए ऐसा दृष्टिकोण अपनाए जाने की जरूरत है, जिसके तहत समाज के हर तबके को शामिल किया जाए। 'ही-फॉर-शी'एक ऐसा मंच प्रदान करता है, जिसके जरिए पुरुष और किशोर सबसे पहले अपने रवैये, नैतिक मूल्यों और महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति अपना बर्ताव बदलकर इस प्रकार की हिंसा को रोक सकें और यह सुनिश्चित करें कि वे स्वयं इस प्रकार के भेद-भाव अथवा हिंसा में शामिल न हों। ऐसी स्थिति में, जहां इस प्रकार की हिंसा हो चुकी हो, संबंधित पुरुष अपना बर्ताव बदलने के उद्देश्य से 'ही-फॉर-शी' से सहायता मांग सकते हैं और इस प्रकार, हिंसा के इस कुचक्र को रोक सकते हैं। हममें से प्रत्येक व्यक्ति, यदि भेदभाव अथवा हिंसा की किसी भी घटना का गवाह बने, तो ऐसी स्थिति में सक्रिय रूप से हस्तक्षेप कर इस परिप्रेक्ष्य में समग्र बदलाव ला सकता है।

८ मार्च, २०१६ को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर डाक विभाग और संयुक्त राष्ट्र डाक प्रशासन 'ही-फॉर-शी' आंदोलन के लिए भारत-संयुक्त राष्ट्र महिला संगठन का सहयोग (भारत-यूएन वुमेन ही-फॉर-शी) विषय पर दो स्मारक डाक-टिकटों का सेट और एक मिनियेचर शीट जारी करते हुए प्रसन्न्ता का अनुभव करता है। डाक-टिकटों का डिजाइन मीर्को इलिच द्वारा तैयार किया गया है और इन डाक-टिकटों पर अंकित चित्रों के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया गया है कि बालिकाएं तथा महिलाएं संपूर्ण मानवता का अर्द्ध भाग हैं और सभी मायनों में मनुष्यता के दूसरे भाग अर्थात् पुरुष वर्ग के एकदम बराबर हैं और हमारा यह संसार इन दो हिस्सों को साथ मिलाकर ही बनता है।

आभार:-

मूलपाठ	:	प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित
डाक टिकट	:	श्री मीर्को इलिच और श्रीमति नीनू गुप्ता
मिनियेचर शीट/प्रथम दिवस आवरण/विरूपण	:	श्रीमति नीनू गुप्ता

भारतीय डाक
India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग Denomination	: :	2500 पैसा, 500 पैसा 2500 p, 500 p
मुद्रित डाक-टिकटें Stamps Printed	: :	5.105 लाख प्रत्येक 0.5105million each
मिनिएचर शीट Miniature Sheet	: :	1.0 लाख 0.1 million
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	: :	वेट ऑफसेट Wet Offset
मुद्रक Printer	: :	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद Security Printing Press, Hyderabad

©डाकविभाग, भारतसरकार।डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।
© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00